फेस्टीवल शॉपिंग में Gen Z का नया अंदाज, रिसर्च के साथ होगी खरीददारी

- 41 फीसदी युवा ऑनलाइन सर्चिंग के जरिए त्यौहारों की खरीदारी के लिए जानकारी और नए सामान के बारे में पता करते हैं। वहीं 29 फीसदी युवा सोशल मीडिया और सोशल मीडिया पर सामान की जानकारी देने वाले लोगों से प्रभावित होते हैं
- करीब एक-तिहाई युवा किसी नए ऑनलाइन ट्रेंड को अपनाने से पहले उसके बारे में इंटरनेट पर जानकारी जुटाते हैं

नई दिल्ली@एजेंसी। भारत की जेन जी यानी युवा पीढ़ी त्योहारों के मौसम में ज्यादा खर्च कर रही है, लेकिन उसकी खरीदारी अब सिर्फ बिना सोचे-समझे खर्च करने तक सीमित नहीं है। रुकम कैपीटल और यूगव की रिपोर्ट के अनुसार, 10 में से करीब 6 युवा त्योहारों के दौरान ज्यादा खर्च करते हैं। हालांकि खरीदारी से पहले सामान की जानकारी जुटाना, कीमतों की तुलना करना और ऑनलाइन मिलने वाली जानकारी की जांच करना अब उनकी आदत का हिस्सा बन गया है। फेस्टीवल स्पेंड में परिवार सबसे अहम है। कुल उपहार खरीदारी में 74 फीसदी हिस्सा परिवार के लिए खर्च का है। इसके साथ खुद को उपहार देने का चलन भी तेजी से बढ़ रहा है। करीब एक-तिहाई युवा त्योहारों के दौरान होने वाले खर्च की पहले से योजना बनाते हैं।

सामान की जानकारी और खरीदारी के लिए इंटरनेट खोज सबसे बड़ा माध्यम बनकर सामने आया है। 41 फीसदी युवा ऑनलाइन सर्चिंग के जरिए त्यौहारों की खरीदारी के लिए जानकारी और नए सामान के बारे में पता करते हैं। वहीं 29 फीसदी युवा सोशल मीडिया और सोशल मीडिया पर सामान की जानकारी देने वाले लोगों से प्रभावित होते हैं। हालांकि किसी व्यक्ति की सलाह मिलने के तुरंत बाद सामान खरीदने वाले युवाओं की संख्या सिर्फ 6 फीसदी है। वहीं 46 फीसदी युवा खरीदारी से पहले स्वयं और अधिक जानकारी जुटाते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई भी जेन जी की खरीदारी में तेजी से जगह बना रही है। करीब 60 फीसदी युवा कम से कम कभी-कभी सामान की जानकारी जुटाने के लिए एआई का इस्तेमाल करते हैं। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से अलग-अलग सामान की तुलना करने और सबसे बेहतर कीमत खोजने के लिए किया जाता है। 70 फीसदी युवा एआई की ओर से सामान सुझाए जाने को लेकर सहज हैं, लेकिन आधे से भी कम युवा अंतिम खरीदारी का फैसला,एआई के हाथ में देना चाहते हैं। इससे साफ है कि युवा,द्ध को सलाहकार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन अंतिम फैसला खुद लेना चाहते हैं।

खरीदारी से जुड़ी जानकारी में खुद की पड़ताल सबसे भरोसेमंद मानी जा रही है। 27 फीसदी युवाओं के लिए अपनी जानकारी और पड़ताल सबसे भरोसेमंद स्रोत है। इसके बाद 20 फीसदी युवा दोस्तों और 15 फीसदी ऑनलाइन खरीदारों की राय पर भरोसा करते हैं। ऑनलाइन नकली जानकारी और बदली हुई तस्वीरों या वीडियो को लेकर भी वे सावधान है। करीब 32 फीसदी युवा सामान बेचने वाले की विश्वसनीयता की जांच करते हैं, जबकि 29 फीसदी युवा पहले से स्थापित और भरोसेमंद कंपनियों के सामान को प्राथमिकता देते हैं।

हालांकि जेन जी पूरी तरह अचानक खरीदारी से दूर नहीं है। करीब 28 फीसदी युवा तेजी से सामान पहुंचाने वाली ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं और हर पांच में से एक युवा मानता है कि वह पहले की तुलना में ज्यादा अचानक खरीदारी करने लगा है। इसके बावजूद सामान की गुणवत्ता और कीमत खरीदारी के दो सबसे बड़े आधार बने हुए हैं। 51 फीसदी युवाओं के लिए गुणवत्ता और 49 फीसदी के लिए कीमत महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन चलने वाले नए चलन को अपनाने में भी जेन जी सोच-समझकर आगे बढ़ रही है। करीब एक-तिहाई युवा किसी नए ऑनलाइन ट्रेंड को अपनाने से पहले उसके बारे में इंटरनेट पर जानकारी जुटाते हैं। वहीं सिर्फ 9 फीसदी युवा किसी नए चलन को तुरंत अपना लेते हैं। कंपनियों के लिए भी यह बदलाव महत्वपूर्ण है। केवल सोशल मीडिया पर प्रसिद्ध लोगों के जरिए प्रचार, युवाओं की बोलचाल की भाषा की जबरन नकल या हर नए चलन के पीछे भागना जेन जी को हमेशा आकर्षित नहीं करता। करीब 30 फीसदी युवा ऐसे व्यवहार पर खुलकर सवाल उठाने या उसकी आलोचना करने की बात कहते हैं। कुल मिलाकर, जेन जी त्योहारों पर खर्च जरूर बढ़ा रही है, लेकिन खरीदारी का तरीका बदल रहा है। सोशल मीडिया और इंटरनेट उसे सामान के बारे में जानकारी दे सकते हैं, लेकिन अंतिम फैसला लेने से पहले वह अपनी पड़ताल, कीमत की तुलना और गुणवत्ता की जांच को ज्यादा महत्व दे रही है।

सेवन सीज हॉस्पिटेलिटी का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से किया गया निलंबित

नई दिल्ली@आईएएनएस। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गंभीर खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और सैनिटेशन संबंधी उल्लंघनों के पाए जाने के बाद सेवन सीज हॉस्पिटेलिटी प्राइवेट लिमिटेड का फूड बिजनेस लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। नियामक ने कंपनी को अगले आदेश तक सभी खाद्य व्यवसाय गतिविधियां बंद करने का निर्देश दिया है। एफएसएसएआई के अनुसार, निरीक्षण के दौरान कंपनी के खाद्य परिसर में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में खाद्य तैयारी क्षेत्रों में स्वच्छता और हाउसकीपिंग के बेहद खराब मानक पाए गए। अधिकारियों ने कई स्थानों पर पानी जमा होना, दुर्गंध, गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियां देखीं, जिससे खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं उत्पन्न हुईं। नियामक ने कहा कि निरीक्षण के दौरान कई खाद्य सामग्री खराब अवस्था में पाई गईं, जिनमें टमाटर, पपीता, गुड़, काजू और शिमला मिर्च शामिल थे, जिन पर फफूंद या सड़न के स्पष्ट संकेत मिले। इसके अलावा रसोई में काला पड़ चुका और गुणवत्ता खो चुका खाना पकाने का तेल भी उपयोग में पाया गया। एफएसएसएआई ने कहा कि खाद्य भंडारण व्यवस्था भी तय मानकों के अनुरूप नहीं थी। निरीक्षण टीम ने शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों के अनुचित भंडारण, मांस के रखरखाव में कमियां और कोल्ड स्टोरेज यूनिट के अंदर संघनन का पानी खाद्य पदार्थों पर टपकते हुए पाया। जांच में कई बुनियादी ढांचागत खामियां भी सामने आईं। इनमें रेफ्रिजरेशन सिस्टम में लीकेज, अत्यधिक बर्फ जमना, उखड़ता प्लास्टर, अपर्याप्त कोल्ड स्टोरेज, खराब वेंटिलेशन और अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था शामिल हैं।

Data Insights

More than half of all countries have a satellite in space.

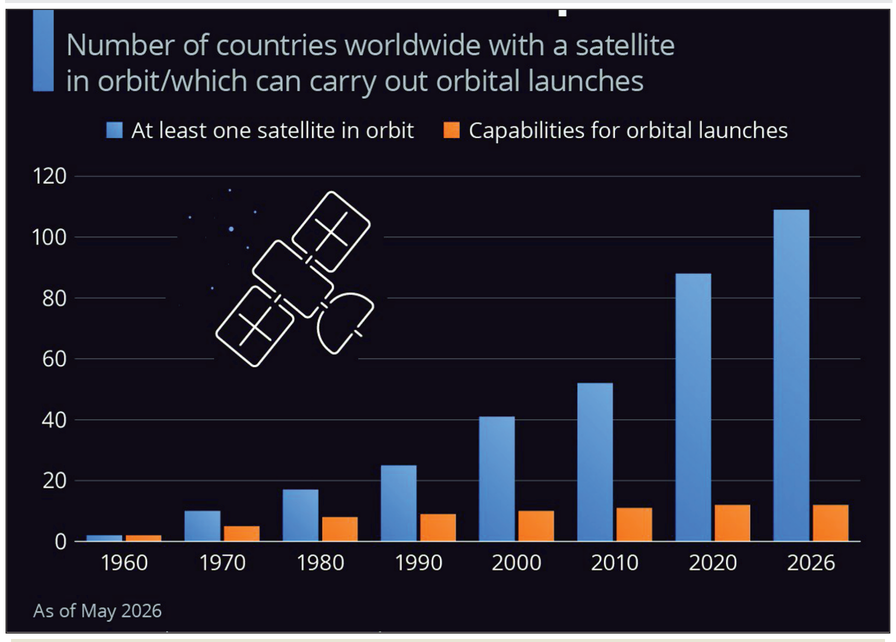

Compiled by **Nafanuksan Research**

वियरेबल्स का फ्यूचर स्क्रीन में नहीं अब इंटेलीजेंस में

नई दिल्ली@एजेन्सी

देश में बाधा रहित डिवाइसेज के प्रति रुचि बढ़ रही है। साथ ही यह भी कहा जा सकता है कि हैल्थ अवेयरनैस बढ़ रही है, जो अब स्क्रीनलैस रिस्ट वियरेबल्स को बढ़ावा दे रही है। देश के वियरेबल मार्केट में यह तेजी से बढ़ने वाला सब-सेगमेंट बन रहा है। कन्ज्युमर्स के बीच एक समय स्मार्टवॉच का ट्रेंड तेजी से बढ़ा, हालांकि अभी भी देश के रिस्ट वियरेबल्स मार्केट में यह डॉमीनेट कर रही श्रेणी है। अब बात स्क्रीनलैस रिस्ट बैंड की हो रही है और यह जोर पकड़ रही है। हैल्थ एंड वैलनेस ट्रेकिंग करने वालों के बीच स्क्रीनलैस फिटनेस बैंड का प्रचलन बढ़ रहा है। टोटल ग्लोबल स्क्रीनलैस मार्केट में देश का स्क्रीनलैस बैंड मार्केट करीब पांच प्रतिशत योगदान कर रहा है और देश के वियरेबल मार्केट में यह हिस्सेदारी करीब एक फीसदी से भी कम है। आने वाले कुछ वर्षों में यह दोगुनी वृद्धि कर सकता है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर के अनुसार देश के ऑनलाइन चैनल से ज्यादा परचेज देखने को मिल रही है। हाल ही में गूगल फिटबिट एयर को लांच किया गया। कन्ज्यूमर्स से इसे बेहतर रेस्पांस भी मिल रहा है।

स्क्रीनलैस रिस्ट बैंड डिस्ट्रेक्शन फ्री एक्सपीरियंस ऑफर करते हैं और यही बात उपभोक्ताओं को पसंद आ रही है। काउंटरपॉइंट की एनेलिस्ट के अनुसार बेहतर वियरिंग एक्सपीरियंस, बढ़ी हुई बैटरी लाइफ आदि के कारण डिमांड आ रही है। आईडीसी इन्डिया के स्मार्ट वियरेबल डिवाइसेज के लीड एनेलिस्ट के अनुसार ओवरऑल वियरेबल कैटेगरी एकदम से कमजोर पड़ गई थी लेकिन रिस्ट बैंड्स ने इसे फिर से आगे बढ़ा दिया है। एडवांस्ड हैल्थ एंड फिटनैस ट्रेकिंग कैपेबिलिटीज ने फिर से कन्ज्युमर्स की रुचि को बढ़ाने का काम किया है।

आईडीसी के अनुसार इन्डिया वियरेबल ब्राण्ड्स सेगमेंट में नये प्रोडक्ट्स को पेश कर सकते हैं ताकि ग्लोबल ब्राण्ड्स के साथ मजबूत प्रतिस्पर्धा कर पायें। एक्सपर्ट्स के अनुसार वियरेबल्स का फ्यूचर स्क्रीन में नहीं अब इंटेलीजेंस में नीहित है। अब कन्ज्यूमर्स ऐसा टैक्नोलॉजी चाहते हैं जो नेचुरली उनकी लाइफ में शामिल हो। स्मार्ट रिंग्स, स्क्रीनलैस रिस्ट बैंड, ज्यादा कम्फर्ट, निरंतर सेंसिंग, वैलनेस इनसाइट देने का काम कर रहे हैं। उनके अनुसार स्क्रीनलैस बैंड कॉम्प्लीमेंट्री वियरेबल्स के समान हैं और स्मार्टवॉचेज का कोई आल्टरनेटिव नहीं है।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

PUBLIC ANNOUNCEMENT

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

JK SALT LIMITED

CIN: U14220RJ2020PLC067885

THE EQUITY SHARES OF THE COMPANY WILL GET LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME")

Our Company was originally incorporated as a Private Limited Company under the name "JK Salt Private Limited" on January 22, 2020 under the provisions of the Companies Act, 2013 with the Registrar of Companies, Jaipur, Rajasthan bearing CIN: U14220RJ2020PTC067885. Subsequently, our Company was converted into a Public Limited Company vide Special Resolution passed by the Shareholders at the Extraordinary General Meeting, held on June 24, 2026 and consequently the name of our Company was changed from "JK Salt Private Limited" to "JK Salt Limited" vide a fresh certificate of incorporation dated July 10, 2026, issued by the Registrar of Companies, Central Processing Centre bearing CIN: U14220RJ2020PLC067885.

Registered Office: First Floor, Laxmi Complex, New Market, Sambhar Lake, Jaipur, Sambhar, Rajasthan, India,303604
Tel No: +91-80941-23555 ; **E-mail:** cs@jksalt.com ; **Website:** https://jksalt.com;
Contact Person: Muskan Omprakash Khandal, Company Secretary & Compliance Officer

OUR PROMOTERS: JUGAL KISHORE MODI, MANISH GUPTA, MANOJ KUMAR GUPTA & ABHISHEK MODI

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME")."

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 63,08,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF JK SALT LIMITED ("OUR COMPANY" OR "THE ISSUER") AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR (INCLUDING PER SHARE PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS (THE "PUBLIC ISSUE") OUT OF WHICH [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UPTO ₹ [●] LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE PUBLIC ISSUE AND NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.50 % AND [●] % RESPECTIVELY OF THE POST- ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE FACE VALUE OF EQUITY SHARES IS ₹ 10/- EACH. THE ISSUE PRICE IS [●] TIMES THE FACE VALUE OF EQUITY SHARES. THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BRLM AND WILL BE ADVERTISED IN ALL EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND ALL EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER) & HINDI EDITION OF [●], (HINDI IS REGIONAL LANGUAGE OF JAIPUR RAJASTHAN WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/ISSUE OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE SME PLATFORM OF BSE ("BSE SME") FOR THE PURPOSES OF UPLOADING ON THEIR WEBSITE.

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Issue Period shall be extended for at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the total Bid/ Issue Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar unforeseen circumstances, our Company, for reasons to be recorded in writing extend the Bid/ Issue Period for a minimum of one Working Day, subject to the Bid/ Issue Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band, and the revised Bid/Issue Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchange (s) by issuing a press release and also by indicating the change on the website of the BRLM and at the terminals of the Members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and Sponsor Bank.

The Issue is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations, as amended, wherein not more than 50% of the Net Issue shall be allocated on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs", the "QIB Portion"), provided that our Company may, in consultation with the Book Running Lead Manager, allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"), Out of the Anchor Investor portion, 40% shall be reserved, out of which (i) 33.33% shall be available for allocation to domestic Mutual Funds, and (ii) 6.67 % for life Insurance Companies and Pension Funds, subjects to valid bids being received from domestic Mutual Funds, life Insurance Companies and Pension Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under subscription under (ii) above, the allocation may be made to domestic Mutual Funds, In the event of under subscription or non-allocation in the Anchor Investor portion the balance equity shares shall be added to the remaining QIB Portion(other than Anchor Investor portion ("Net QIB Portion"). Further, 5% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis only to Mutual Funds, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIBs, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders (of which one third of the Non-Institutional Portion shall be reserved for Bidders with an application size of more than two lots and up to such lots equivalent to not more than ₹ 10 lakhs and two-thirds of the Non-Institutional Portion shall be reserved for Bidders with an application size exceeding ₹ 10 lakhs) and under-subscription in either of these two sub-categories of Non-Institutional Portion may be allocated to Bidders in the other subcategory of Non-Institutional Portion, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price and not less than 35% of the Net Issue shall be available for allocation to Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilize the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of Individual Investors using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For details, see ***"Issue Procedure"*** beginning on page 297 of this Draft Red Herring Prospectus.

This public announcement is made in compliance with the provisions of Regulation 247(2) of the SEBI ICDR Regulations, to inform the public that our Company is proposing to undertake, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, an initial public offer of its Equity Shares of face value of ₹ 10 each pursuant to the Issue and the Draft Red Herring Prospectus dated September 29, 2026 has been filed with the SME Platform of BSE Limited ("BSE SME") on September 29, 2026. The Draft Red Herring Prospectus filed with BSE SME shall be made public, for comments, if any, for a period of at least 21 days from the date of filing, by hosting it on the website of BSE SME at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx, on the website of the BRLM at www.flookup.com and also on the website of the Company https://jksalt.com. Our Company invites public to give comments on the Draft Red Herring Prospectus filed with BSE SME with respect to disclosures made in the Draft Red Herring Prospectus. The public is requested to send a copy of the comments to the Company Secretary & Compliance Officer of our Company, and/or to the BRLM at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by our Company and/or the Company Secretary & Compliance Officer of our Company, and/or to the BRLM in relation to the Issue on or before 5.00 p.m. on the 21st day from the aforementioned date of filing of the Draft Red Herring Prospectus with BSE SME.

Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the Issuer and this Issue, including the risks involved. The Equity Shares have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to ***"Risk Factors"*** on page 22 of the Draft Red Herring Prospectus.

Any decision to invest in the equity shares described in the DRHP may only be taken after a Red Herring Prospectus has been filed with the RoC and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus as there may be material changes in the Red Herring Prospectus from the DRHP. The equity shares, when offered through the Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on SME Platform of BSE Limited **("BSE SME")**. For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them of our Company, see ***"Capital Structure"*** beginning on page 67 of the DRHP. The liability of the members of our Company is limited. For details of the main objects of our Company as contained in our Memorandum of Association, see ***"History and Certain Other Corporate Matters"*** beginning on page 160 of this Draft Red Herring Prospectus.

The BRLM received its registration as a SEBI-registered Merchant Banker on February 06, 2026 and has not handled any public issue since obtaining such registration.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE
Flookup Capital Advisors Private Limited **Address:** A 589 Vidhyut Nagar, Prince Road, Shyam Nagar, Jaipur, Rajasthan, India, 302019 **Tel No.:** +91-141-6781509 **Email:** info@flookup.com **Investor Grievance Email:** compliance@flookup.com **Website:** www.flookup.com **Contact Person:** Varun Khunteta/Snigdha Khandelwal **SEBI Reg. No.:** INM000013396	**Alankit Assignments Limited** **Address:** 205-208, Anarkali Complex Jhandewalan Extension, New Delhi, India, 110055 **Telephone:** 011-42541234/ 23541234/ +91-9717858585 **Email:** info@alankit.com, kamal.garg@alankitassignments.com **Website:** https://www.alankit.com/, https://www.alankit.in/ **Contact Person:** Kamal Garg **SEBI Registration No.:** INR000002532

COMPANY SECRETARY & COMPLIANCE OFFICER

Muskan Omprakash Khandal, Company Secretary & Compliance Officer,
Tel No: +91-80941-23555; **E-mail:** cs@jksalt.com ; **Website:** https://jksalt.com

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the Draft Red Herring Prospectus.

For JK Salt Limited
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Muskan Omprakash Khandal
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Sambhar, Jaipur
Date: September 29, 2026

Disclaimer: JK Salt Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an initial public offer of its Equity Shares and has filed the Draft Red Herring Prospectus on September 29, 2026. The Draft Red Herring Prospectus is available on the website of BSE SME at https://www.bsesme.com/PublicIssues/SMEIPODRHP.aspx and is available on the websites of the BRLM at www.flookup.com and also on the website of the Company https://jksalt.com. Any potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, see section titled ***"Risk Factors"*** beginning on page 22 of the DRHP. Potential investors should not rely on the DRHP for making any investment decision.

The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the **"Securities Act"**) or any state securities laws in the United States, and unless so registered, and may not be issued or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and in accordance with any applicable U.S. State Securities laws. The Equity Shares are being issued and sold outside the United States in 'offshore transactions' in reliance on Regulation "S" under the Securities Act and the applicable laws of each jurisdiction where such issues and sales are made. There will be no public offering in the United States.